ikB 13

धरोहर

'धरोहर' का अर्थ है अमानत या थाती। अतः धरोहर शब्द सुनते ही हमारा मस्तिष्क किसी ऐसी वस्तु अथवा परंपरा की कल्पना करने लगता है, जो हमारे पूर्वजों द्वारा संजोई गई और सँभाल कर आने वाली पीढ़ी को सौंपी गई हो। विकास के साथ–साथ कुछ पुरानी चीजों का प्रयोग समाप्त हो जाता है किंतु उनकी जानकारी हमें विकास के इतिहास से परिचित कराती है।

संग्रहालय इसी जानकारी को प्रदान करने का साधन होते हैं। ऐसा ही एक संग्रहालय है– 'धरोहर'। यह संग्रहालय कुरुक्षेत्र में स्थापित किया गया है।

इस संग्रहालय में हरियाणा प्रदेश के रहन–सहन, खान–पान, पहनावा, मेले, त्योहार और रीति–रिवाज़ की संपूर्ण झाँकी देखी जा सकती है। इसे देखकर लगता है मानो हरियाणा की संस्कृति जीवंत हो उठी है! यहाँ छाया चित्रों के माध्यम

से हरियाणा की संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को सहजता से दिखाया गया है। इस संग्रहालय में पुरस्कृत खिलाड़ियों के चित्रों के साथ–साथ स्वतंत्रता सेनानियों के बोलते हुए से छाया चित्र बने हैं।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने इस संग्रहालय को स्थापित कर शताब्दियों पुरानी पांडुलिपियों को भी जीवित कर दिया है।

'धरोहर' के नाम को साकार बनाते हुए मोहनबाड़ी की खुदाई से निकला 1200 वर्ष पुराना मटका इस संग्रहालय की शान बना हुआ है। जिसे देखकर ये पंक्तियाँ याद आ जाती हैं–

बंद कमरों मे चीजें पुरानी, भला अब कौन रखता है?

शहरों में परिंदों के लिए पानी, भला कौन रखता है?

सँभालकर

बुजुर्गों की निशानी, भला कौन रखता है?

इन पंक्तियों का उत्तर हमें 'धरोहर' में बहुत सुंदर ढंग से देखने को मिलता है।

खाट पर कपड़े की झूल बाँधकर अपने बच्चों

को झुलाती हरियाणवी महिलाएँ वात्सल्य को एक नई पहचान देती हैं। जो हाथ खेत में पुरुष के साथ लावणी करवाते हैं, वही बालक को सुलाते समय सारी कठोरता छोड़ कर सुकोमल हो जाते हैं।

दूध–दही के लिए विश्वभर में विख्यात हरियाणा की मूल संस्कृति को दर्शाने के लिए संग्रहालय में 'घेर' अर्थात पशुओं को बाँधने का स्थान, बैलगाड़ी, लोहे की फसली व लकड़ी की जेलियाँ आदि रखी गई हैं। 'घेर' में बनाई गई गंडासे से चारा काटते किसान की प्रतिकृति तो अनायास ही ध्यान आकर्षित करती है।

'देसां में देस हरियाणा, जित दूध दही का खाणा।' यह उक्ति संग्रहालय के रसोईघर को देखकर सार्थक हो जाती है।

हरियाणा के देसी घी का हर कोई दीवाना है। देसी घी की महक संग्रहालय में स्थापित रसोई में महसूस की जा सकती है। यहाँ दूध मथती, बाजरा कूटती, अनाज पीसती तथा चूल्हे पर रोटियाँ सेंकती महिलाओं की प्रतिकृतियाँ इस रसोई को सजीव बना देती हैं। रसोई में हारी, बिलोणी, घीलड़ी, बोहिया आदि अनेक बर्तन रखे गए हैं।

हरियाणा में इस्तेमाल होने वाले अनेक प्रकार के वाद्य यंत्र व आवागमन के साधनों जैसे–रथ, बैलगाड़ी, बैलों की पालकी आदि को इस संग्रहालय में स्थान दिया गया है। महिलाओं द्वारा हाथ से बनाई गई वस्तुएँ भी इसकी शोभा बढ़ाती हैं।

यहाँ रखा गया लगभग 5 फुट ऊँचा हुक्का सहज ही सबको आकर्षित कर लेता है। इसके साथ–साथ संग्रहालय में टेराकोटा का एक ऐसा हुक्का रखा गया है, जिसमें न तो कोई जोड़ है और न ही इस पर रंग किया गया है।

'धरोहर' में एक ऐसी चारपाई भी है, जिसमें ओम जय जगदीश हरे की आरती को बुनाई करके लिखा गया है। इसके साथ ही छह पाए वाली चारपाई भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहाँ रखे गए विशाल नगाड़े को देखकर होली की मस्ती भरे हुड़दंग वाला दृश्य आँखों के सामने आँखमिचौली खेलने लगता है।

हरियाणा की महिलाओं द्वारा पहने जाने वाले पारंपरिक परिधानों को भी संग्रहालय में सहजता से सजाया गया है। यहाँ रखे 52 कली के दामण को देखकर महिलाएँ इसे उलट–पलट कर देखने के लिए मजबूर हो जाती हैं। इस दामण की सबसे बड़ी खूबी है कि इस का वजन 15 किलो है और इसे दोनों तरफ से पहना जा सकता है।

झांझण, कड़ी झालरा, हसली, हथफूल व तागड़ी सहित पाँच किलो चाँदी के आभूषण से सजी महिला की प्रतिकृति सभी महिलाओं को

विशेष रूप से आकर्षित करती है।

‘धरोहर’ में ऐसे पत्थरों को भी स्थान दिया गया है, जो रबड़ की तरह हिलते हैं। ये पत्थर दादरी के समीप स्थित कलियाणा गाँव की पहाड़ी से मिले हैं।

इस संग्रहालय में एक थिएटर (प्रेक्षा–गृह) भी है, जिसमें दर्शकों को हरियाणवी लोकगीत, साँग, नाटक, भजन व रागनी आदि दिखाए जाते हैं।

‘धरोहर’ में हरियाणवी संस्कृति से जुड़ी सभी वस्तुओं का संकलन जारी है और वह दिन दूर नहीं जब ये वस्तुएँ ‘धरोहर’ की धरोहर हो जाएँगी।

अभ्यास

1- vkb,] ‘kCnk dk vFk tku &

- अनायास – एकाएक/अचानक
- आकर्षित – लगाव होना
- जीवंत – जीता जागता
- पांडुलिपि – हाथ से लिखी हुई रचना
- पुरस्कृत – जिसे पुरस्कार मिला हो।
- प्रतिकृति – मूर्ति अथवा चित्र
- वात्सल्य – संतान के प्रति प्रेम
- शताब्दी – सौ वर्षों का समूह
- संग्रहालय – वस्तुओं को संग्रह करने का स्थान

2- ikB ls &

(क) धरोहर संग्रहालय कहाँ स्थित है?

____

(ख) संग्रहालय में कौन–कौन सी झाँकियाँ देखने को मिलती हैं?

____

(ग) हरियाणा की एक विशेषता 'दूध दही का खाना' है। इस संस्कृति को संग्रहालय में किस तरह से दर्शाया गया है?

____

(घ) हरियाणा की रसोई की क्या–क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

____

(ङ) 52 कली के दामण की क्या विशेषताएँ हैं ?

____

3- vkidh ckr &

(क) आपके घर में अपने पूर्वजों की कौन–कौन सी चीजें रखी हुई हैं ? किन्हीं दो चीजों के बारे में बताएँ।

(घ) पाठ में 'नगाड़े' की बात की गई है। पता लगाएँ कि नगाड़े को किन–किन मौकों पर बजाया जाता है?

4- ikB l vkx &

(क) 'धरोहर' में खिलाड़ियों व स्वतंत्रता सेनानियों के छायाचित्र बने हैं, आप भी हरियाणा के विख्यात खिलाड़ियों की सूची बनाएँ तथा उनके चित्र चार्ट पर चिपकाएँ।

(ख) 'धरोहर' में स्त्रियों को दामण पहने दिखाया गया है। आपकी माताजी कौन सी पोशाक पहनती हैं? दोनों पोशाकों की समानता/असमानता के बारे में जानकारी प्राप्त करके चर्चा करें।

5- i<@le> o fy[k &

(क) कैसा है इनका स्वाद ? जरा चखकर बताएँ स्वाद।

छाछ – ————————————————————

बाजरे की खिचड़ी – ————————————————————

लापसी – ————————————————————

चूरमा – ————————————————————

कढ़ी – ————————————————————

गुलगुले – ————————————————————

राबड़ी – ————————————————————

(ख) किसकी, कब और कहाँ जरूरत ?

बिलोणी – दही बिलोने के लिए

घीलड़ी – ————————————————————

बोहिया – ————————————————————

बुखारी – ————————————————————

बैलगाड़ी – ————————————————————

पालकी – ____________________________________

गँडासा – ____________________________________

बीजणा – ____________________________________

पंखी – ____________________________________

टोकणी – ____________________________________

6- Hkk"kk dh ckr &

(क) गाँव में महिलाएँ सुबह–सुबह nèk fcykrh g], xhr xkrh gA
इस वाक्य में nèk व xhr संज्ञा हैं तथा ^fcykrh g],* व xkrh gb' क्रियाएँ हैं। इसी तरह निम्नलिखित वाक्यांशों से संज्ञा व क्रिया छाँटकर लिखें–

		lKk	fØ;k
दही मथना	–	________________	________________
दूध निकालना	–	________________	________________
रोटी सेंकना	–	________________	________________
झूला झूलना	–	________________	________________
रथ हाँकना	–	________________	________________
चित्र बनाना	–	________________	________________
फोटो खींचना	–	________________	________________

(ख) धरोहर में ऐसे पत्थरों को भी स्थान दिया गया है। इस वाक्य में Hkh निपात है। इसी तरह gh] Hkh] rks] rd निपात कहलाते हैं। इनका प्रयोग करते हुए एक–एक वाक्य बनाएँ

ही ____________________________________

भी ____________________________________

तो ____________________________________

तक ____________________________________